---K----

1. **KIDNAPPING** - The taking or detaining of a person against his or her will and without lawful authority.

2. **KEEPER -** An officer that the court appoints to be responsible for money or property legally seized in connection with a pending case.

3. **KNOWINGLY** - With knowledge, willfully or intentionally with respect to a material element of an offense.

1ख	अपहरण	:	किसी पुरूष/स्त्री को उसकी इच्छा के विरूद्ध गैर-कानूनी अधिकार से उठाकर ले जाना और हिरासत में रखना।
2ख	रखवाला	:	वह अधिकारी जिसकी नियुक्ति अदालत द्वारा किसी लंबित मुकद्दमे के संबंध में कब्जे में ली गई धनराशि अथवा संपत्ति के लिए उत्तरदायी के रूप में की जाती है। जानबूझ कर किसी अपराध के संबंध में भौतिक तत्व के बारे में जानकारी, स्वेच्छा और इरादे के साथ किया जाना।

-----L------

1. **LACKING CAPACITY** – Lacking qualification, competency, power or fitness. Being incapable of giving legal consent. Lack of fundamental ability to be accountable for actions.

2. **LARCENY** - Stealing or theft.

3. **LAW** - Combination of rules and principles of conduct made known by legislative authority, derived from court decisions, and established by local custom.

4. **LAW AND MOTION** - A setting before a judge at which time a variety of motions, pleas, sentencing, orders to show cause or procedural requests may be presented. Normally, evidence is not taken. Defendants must be present.

5. **LAW CLERKS** - Persons trained in the law who assist judges in researching legal opinions.

6. **LAW ENFORCEMENT AGENT** - A sworn peace officer with legal authorization to arrest individuals under suspicion of breaking the law.

7. **LAWSUIT** - An action between two or more persons in the courts of law, not a criminal matter.

8. **LAY PERSON** - One not trained in law.

9. **LEADING QUESTION** - A question which instructs the witness how to answer or puts words in his mouth. Suggests to the witness the desired answer.

10. **LEASE** - An agreement for renting real property. Usually written and for a specific amount of time.

11. **LEGAL AID** - Professional legal services available usually to persons or organizations unable to afford such services.

12. **LENIENCY** - Recommendation for a sentence less than the maximum allowed.

13. **LESSER INCLUDED OFFENSE** - A crime composed of some, but not all, of the elements of a greater crime; commission of the greater crime automatically includes commission of the lesser included offense.

14. **LETTERS OF ADMINISTRATION** - Legal document issued by a court that shows an administrator's legal right to take control of assets in the deceased person's name.

15. **LETTERS OF CONSERVATORSHIP -** A court paper that states that the conservator is authorized to act on the conservatee's behalf. Also called "Letters."

16. **LETTERS OF GUARDIANSHIP -** The instrument by which a person is empowered to take charge of the person and/or estate of minors and insane or incompetent persons, whenever necessary or convenient.

17. **LETTERS ROGATORY -** A formal communication, in writing, sent by a court in which an action is pending to a court or judge of a foreign country, requesting that the testimony of a witness who lives within the jurisdiction of the foreign court may be taken under its direction and transmitted to the first court for use in the pending action.

18. **LETTERS TESTAMENTARY** - Legal document issued by a court that shows an executor's legal right to take control of assets in the deceased person's name.

19. **LEVY** - To obtain money by legal process through seizure and/or sale of property.

20. **LEWD CONDUCT** - Behavior that is obscene, lustful, indecent, vulgar.

21. **LIABILITY** - Legal debts and obligations.

22. **LIABLE** - Legally responsible.

23. **LIBEL** - False and malicious material that is written or published that harms a person's reputation. See DEFAMATION.

24. **LIE DETECTOR** - A machine which records by a needle on a graph varying emotional disturbances when answering questions truly or falsely, as indicated by fluctuations in blood pressure, respiration, or perspiration.

25. **LIEN** - The right to keep a debtor's property from being sold or transferred until the debtor pays what he or she owes.

26. **LIFE IMPRISONMENT** - A type of sentence where the convicted criminal is ordered to spend the rest of his or her life in prison.

27. **LIMINE** - A motion requesting that the court not allow certain evidence that might prejudice the jury.

28. **LIMINE MOTION -** A pretrial motion requesting the court to prohibit opposing counsel from referring to or offering evidence on matters.

29. **LIMITATION OF ACTIONS –** The time period imposed by law to bring an action in court. (Example—statutes of limitation)

30. **LIMITED ACTION** - A civil action in which recovery of less than a certain amount (as specified by statute) is sought. Simplified rules of procedure are used in such actions.

31. **LIMITED JURISDICTION** - Refers to courts that are limited in the types of criminal and civil cases they may hear. For example, traffic violations generally are heard by limited jurisdiction courts.

32. **LINEUP** - A police identification procedure by which the suspect to a crime is exhibited, along with others, before the victim or witness to determine if the victim or witness can identify the suspect as the person who committed the crime.

33. **LIS PENDENS** - A pending suit.

34. **LITIGANT** - A party, or side involved in a lawsuit.

35. **LITIGATION** - A case, controversy, or lawsuit.

36. **LIVING TRUST** - A trust set up and in effect during the lifetime of the person. Also called *inter vivos trust.*

37. **LOCALITY DISCRIMINATION –** Those either giving undue preference to any locality or subjecting it to undue prejudice.

38. **LOCAL RULES** - A set of rules you have to follow to start a court case. Every county and court has different local rules.

39. **LOCUS DELICTI** - The place of the offense.

40. **LOITERING** - To stand idly around, particularly in a public place.

41. **LYNCHING** - Putting a person to death, usually by hanging, without legal authority.

1द्ध	सामर्थ्य की कमी	:	योग्यता, काबलीयत, शक्ति एवं स्वास्थ्य की कमी। कानूनी सहमति देने में असमर्थ। अपने कार्यों के प्रति उत्तरदायित्व के लिए प्राथमिक सामर्थ्य की कमी।
2द्ध	लारसैनी कानून	:	चुराना या चोरी करना। स्थानिक परंपराओं द्वारा स्थापित, फैसलों से उध्दृत और विधायी संस्थाओं द्वारा प्रचारित नियमों और सिद्धांतों का समूह।
4द्ध	कानून एवं प्रस्ताव	:	किसी जज के समक्ष वह मंच जहां अनेक प्रकार के प्रस्ताव, आवेदन सजा के आदेश, कारण बताओ आदेश अथवा प्रक्रिया संबंधी आवेदन पेश किए जा सकते हैं। आमतौर से गवाही नहीं की जाती है। बचावकर्त्ता की उपस्थिति आवश्यक है।
5द्ध	ला-कलर्कस	:	कानून में प्रशिक्षित वे लोग जो कानूनी विचारों की खोज में जजों की मदद करते हैं।
6द्ध	कानून लागू करने वाले एजेंट	:	वे पक्के शांतिप्रिय अधिकारी जिन्हें लोगों को शांति भंग करने के संदेह में गिरफ्तार करने का कानूनी अधिकार प्राप्त होता है।
7द्ध	ला-सूट	:	कानूनी अदालत में दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच चली रही कार्यवाही जिसका संबंध किसी अपराध से न हो।
8द्ध	ले-परसन	:	वह व्यक्ति जो कानून में प्रशिक्षित न हो।
9द्ध	लीडिंग प्रश्न	:	वह प्रश्न जो गवाह को यह निर्देश दे कि उत्तर किस प्रकार देना है या उसके मुंह में शब्द भरता है। गवाह को अपेक्षित उत्तर सुझाता है।
10द्ध	पट्टा	:	जमीन जायदाद किराए पर देने का इकरारनामा। यह अक्सर लिखित और निश्चित अवधि के लिए होता है।
11द्ध	कानूनी सहायता	:	व्यवसायिक कानूनी सेवाएं जो आमतौर पर ऐसे लोगों और संस्थाओं को प्राप्त होती हैं जो ऐसी सेवाओं का खर्च सहन नहीं कर सकते।
12द्ध	नरमाई	:	निर्धारित अधिकतम सजा से कम सजा देने के लिए सिफारिश।
14द्ध	प्रशासन के पत्रा	:	किसी अदालत द्वारा जारी किया गया वह दस्तावेज़ जिससे किसी मृतक की संपत्ति को अपने कब्जे में लेने के प्रशासनिक अधिकारी के कानूनी

			अधिकार को दर्शाता है।
15द्ध	लैर्च्स आफ कन्जवेटरशिप	:	अदालत का वह दस्तावेज जो यह बाताता है कि रक्षक को रक्षित की ओर से कार्यवाही करने का अधिकार है।
16द्ध	लैटर्स आफ गाइर्डयनशिप	:	वह दस्तावेज जिसके आधार पर कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति तथा/अथवा किसी बालक एवं किसी विक्षिप्त व्यक्ति या अक्षम व्यक्तियों की जायदाद को जरूरत के समय और जब आवश्यक हो, अपने नियंत्राण में ले सकता है।
17द्ध	लैटर्स रोगेटरी	:	किसी अदालत द्वारा भेजा गया लिखित संदेश जिसमें किसी विदेशी अदालत लंबित मुकद्दमे के संबंध में उस अदालत के अधिकार क्षेत्रा में रहे गवाह की गवाही को पहली अदालत में भेजने की प्रार्थना विदेशी अदालत या उसके जज की होती है ताकि पहली अदालत में इसका प्रयोग किया जा सके।
18द्ध	लैटर्स टैस्टामैंटरी	:	किसी अदालत द्वारा जारी किया गया कानूनी दस्तावेज जो मृतक के नाम संपत्ति को प्रबंधक द्वारा अपने नियंत्राण में लेने के कानूनी अधिकार को दर्शाता है।

19द्ध	प्रादेशिक भेदभाव	:	कानूनी प्रक्रिया द्वारा संपत्ति को कब्जे में लेकर और/अथवा बेचकर धन प्राप्त करना।
20द्ध	ल्यूड कंडक्ट	:	अश्लील, काम वासना पूर्ण और अभद्र व्यवहार।
21द्ध	लाइबिलिटी	:	कानूनी ऋण और जिम्मेदारियां
22द्ध	लइबल	:	कानूनन उत्तरदायी।
23द्ध	लिबल्ल	:	लिखित अथवा प्रकाशित झूठा और द्वेषपूर्ण मसौदा जो किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाता है।
24द्ध	लाई डिटैक्टर	:	एक ऐसी मशीन जो एक सुई की सहायता से रक्त चाप, श्वास-क्रिया या पसीने में सच या झूठ बोल कर उत्तर देने पर उतार-चढ़ाव को

			ग्राफ पर अंकित करती है।
25द्ध	लीअन	:	किसी कर्जदार द्वारा अपने कर्ज का भुगतान न करने तक उसकी संपत्ति के बिकने या हस्तांत्राण पर रोक लगाने का अधिकार
26द्ध	उम्र कैद	:	ऐसी सजा जिसके अनुसार किसी सजा प्राप्त पुरूष/स्त्राी अपराधी को अपना शेष जीवन जेल में काटना होता है।
27द्ध	थ्लमिनी	:	ऐसा प्रस्ताव जिसमें अदालत से प्रार्थना की जाती है कि किसी विशेष गवाही की आज्ञा न दी जाए जो निर्णायक मण्डल के सदस्यों में पूर्वाग्रह को जन्म दे सकती है।
28द्ध	लिमनी मोशन	:	मुकद्दमे की कार्यवाही से पहले का प्रस्ताव जिसमें अदालत से प्रार्थना की जाती है कि विपक्षी वकील को मामले में गवाही पेश करने से रोका जाए।
29द्ध	कार्यवाही की समय सीमा	:	अदालत में की जाने वाली किसी कार्यवाही के लिए कानून द्वारा निश्चित समय सीमा।
30द्ध	सीमित कार्यवाही	:	एक ऐसी नागरिक कार्यवाही जिसमें (कानून द्वारा निर्धारित) निश्चित राशि से कम राशि की वसूली करनी हो। ऐसी कार्यवाही में प्रक्रिया संबंधी सरल नियमों का प्रयोग किया जाता है।
31द्ध	सीमित अधिकार क्षेत्रा	:	इसका अर्थ उन अदालतों से है जो आपराधिक या नागरिक किस्म के मुकद्दमों की सुनवाई करती है। उदाहरण के लिए यातायात के नियमों के उल्लंघन के मुकद्दे सीमित अधिकार क्षेत्रा वाली अदालतों द्वारा ही सुने जाते हैं।
32द्ध	लाईन-अप	:	पुलिस की पहचान प्रक्रिया जिसमें ऐसे व्यक्ति जिस पर अपराध करने का संदेह हो, को अन्य व्यक्तियों के साथ पीड़ित अथवा गवाह के सामने खड़ा किया जाता है ताकि यह निश्चित किया जा सके कि पीड़ित या गवाह उसको अपराध करने वाले के रूप में पहचान सकते हैं।
33द्ध	लिस पैनईन्स	:	कोई लंबित मुकद्दमा।
34द्ध	लिटिगैंट	:	किसी मुकद्दमें में शामिल कोई व्यक्ति या पक्ष।

35द्ध	लिटीगेशन	:	कोई मसला, विवाद या मुकद्दमा।
36द्ध	लिविंग ट्रस्ट	:	किसी व्यक्ति द्वारा अपने जीवन में स्थापित और कार्यशील ट्रस्ट
37द्ध	प्रादेशिक भेदभाव	:	किसी क्षेत्रा को नाजायज़ प्राथमिकता देना या उसकी नाजायज उपेक्षा करना।
38द्ध	लोकल रूलस	:	किसी मुकद्दमे को शुरू करने के लिए जिन नियमों का पालन करना पड़ता है उनकी श्रृंखला। प्रत्येक कांऊटी और प्रत्येक अदालत के भिन्न-भिन्न नियम हैं।
39द्ध	लोकल डीकिक्टी	:	वह स्थान जहां अपराध हुआ हो।
40द्ध	लोएटरिंग	:	इधर-उधर निठल्ले खड़े रहना, खासकर सार्वजनिक स्थान पर
41द्ध	थ्कंचिंग	:	कानूनी अधिकार के बिना किसी की लटका कर हत्या करना।

-----M-------

1. **MAGISTRATE** - Judicial officer with the power to issue arrest warrants.

2. **MAKE OR DRAW –** To cause to exist. To fashion or produce in legal form. To prepare a draft; to compose and write out in due form, such as a deed, contract, complaint, answer, petition, etc.

3. **MALFEASANCE** - Performance of an act that should not have been done at all.

4. **MALICE** - Ill will, hatred, or hostility by one person toward another which may prompt the intentional doing of a wrongful act without legal justification or excuse.

5. **MALICE AFORETHOUGHT –** Intending to kill another person or intending to do an act with knowledge that it is dangerous to human life**.**

6. **MALICIOUS MISCHIEF** - Willful destruction of property, from actual ill will or resentment toward its owner or possessor.

7. **MALICIOUS PROSECUTION** - An action with the intention of injuring the defendant and without probable cause, and which terminates in favor of the person prosecuted.

8. **MALICIOUSLY –** To annoy, or injure another, or an intent to do a wrongful act, and may consist in direct intention to injure, or in reckless disregard of another's rights

9. **MALPRACTICE** - Violation of a professional duty to act with reasonable care and in good faith without fraud or collusion. This term is usually applied to such conduct by doctors, lawyers, or accountants.

10. **MANDAMUS** - A writ issued by a court ordering a public official to perform an act.

11. **MANDATE** - A judicial command or order proceeding from a court or judicial officer, directing the proper officer to enforce a judgment, sentence, or decree.

12. **MANDATORY -** Required, ordered.

13. **MANSLAUGHTER, INVOLUNTARY** - Unlawful killing of another, without malice, when the death is caused by some other unlawful act not usually expected to result in great bodily harm.

14. **MANSLAUGHTER, VOLUNTARY** - Unlawful killing of another, without malice, when the act is committed with a sudden extreme emotional impulse.

15. **MARIJUANA –** "Cannabis" is an annual herb having angular rough stem and deeply lobed leaves. It is an illegal drug commonly used through smoke inhalation or ingestion, the use of which results in prolonged intoxication. Any person who cultivates, transports, or possesses marijuana, for personal use or sale, is guilty of a crime, unless they can assert a proper defense.

16. **MARIJUANA, defense of compassionate use –** The cultivation, transportation, or possession of marijuana is lawful for compassionate use under certain circumstances, such as when its medical use is deemed appropriate by a physician and has been recommended by the physician orally or in writing, provided it is for the personal use of the patient and it is a reasonable amount.

17. **MARSDEN MOTION** – A minor who is represented by appointed counsel requests the Court to remove the attorney and appoint new counsel if the minor's right to effective counsel would be substantially impaired by continuing with the original attorney.

18. **MASSIAH MOTION** - A motion to exclude fraudulently obtained confessions.

19. **MASTER** - An attorney who is appointed by the judges of a circuit court with the approval of the Chief Judge of the Court of Appeals, to conduct hearings and to make finding of facts, conclusions of law, and recommendations as to an appropriate order.

20. **MATERIAL EVIDENCE** - That quality of evidence which tends to influence the judge and/or jury because of its logical connection with the issue.

21. **MATERIAL WITNESS** - In criminal trial, a witness whose testimony is crucial to either the defense or prosecution.

22. **MAYHEM** - A malicious injury which disables or disfigures another.

23. **MEDIATION** - A process in which people that are having a dispute are helped by a neutral person to communicate so they can reach a settlement acceptable to both.

24. **MEMORANDUM OF COSTS -** A certified, itemized statement of the amount of costs after judgment.

25. **MEMORIALIZED** - To mark by observation in writing.

26. **MENACE –** A threat; the declaration or show of a disposition or determination to inflict an evil or injury upon another.

27. **MENS REA** - The "guilty mind" necessary to establish criminal responsibility.

28. **MENTAL HEALTH** - The wellness of a person's state of mind.

29. **MENTAL INCAPACITY –** Where a person is found to be incapable of understanding and acting with discretion in the ordinary affairs of life due to a loss of reasoning faculties.

30. **MENTAL STATE –** Capacity or condition of one's mind in terms of ability to do or not to do a certain act.

31. **MERITS** - A decision "on the merits" is one that reaches the right(s) of a party, as distinguished from disposition of a case on a ground not reaching the right(s) raised in an action.

32. **MINOR –** A child under the age of 18 years. (See also JUVENILE).

33. **MINUTE ORDER -** Document prepared by the clerk recording the orders of the clerk.

34. **MIRANDA RIGHTS** - Requirement that police tell a person who is arrested or questioned their constitutional rights before they question him or her: specifically, the right to remain silent; that any statement made may be used against him or her; the right to an attorney; and if the person cannot afford an attorney, one will be appointed if he or she desires.

35. **MIRANDA WARNING** - See MIRANDA RIGHTS.

36. **MISDEMEANOR** - A crime that can be punished by up to one year in jail.

37. **MISTAKE –** Some unintentional act, omission, or error arising from ignorance, surprise, imposition, or misplaced confidence.

38. **MISTRIAL** - A trial that has been ended and declared void (of no legal effect) due to prejudicial error in the proceedings or other extraordinary circumstances.

39. **MITIGATING CIRCUMSTANCES** - Facts which do not constitute a justification or excuse for an offense but which may be considered as reasons for reducing the degree of blame.

40. **MITIGATING FACTORS** - Facts that do not constitute a justification or excuse for an offense but which may be considered as reasons for reducing the degree of blame.

41. **MITIGATION OF DAMAGES –** Imposes on the injured party duty to minimize his damages after injury has been inflicted.

42. **MITTIMUS** - The name of an order in writing, issuing from a court and directing the sheriff or other officer to take a person to a prison, asylum, or reformatory, and directing the jailer or other appropriate official to receive and safely keep the person until his or her fate shall be determined by due course of law.

43. **MODIFICATION** - A spoken or written request that one side makes to ask the judge to make a decision or an order on a specific point.

44. **MOOT** - A point or question related to a legal case that usually has no practical importance or relevance to the case. A moot point is a point that can't be resolved by the judge, is not disputed by either side, or is resolved out of court.

45. **MORAL TURPITUDE** - Immorality. An element of crimes inherently bad, as opposed to crimes bad merely because they are forbidden by statute.

46. **MOTION** - Oral or written request made by a party to an action before, during, or after a trial asking the judge to issue a ruling or order in that party's favor.

47. **MOTION DENIED** - Ruling or order issued by the judge refusing the party's request.

48. **MOTION GRANTED** - Ruling or order issued by the judge approving the party's request.

49. **MOTION IN LIMINE** - A written motion which is usually made before or after the beginning of a jury trial for a protective order against prejudicial questions and statements.

50. **MOTION TO QUASH -** A request to make something null or ineffective, such as to "quash a subpoena."

51. **MOTION TO SEVER** - A request usually by defense, to have a separate trial as to either jointly tried defendants or jointly charged counts.

52. **MOTION TO SUPPRESS** - A request to suppress as evidence at trial things or statements obtained as a result of an allegedly illegal search and seizure (commonly referred to as 1538.5 PC motions.)

53. **MUGSHOT** - Pictures taken after a suspect is taken into custody (booked), usually used as an official photograph by police officers.

54. **MULTIPLICITY OF ACTIONS** - Numerous and unnecessary attempts to litigate the same issue.

55. **MURDER** - The unlawful killing of a human being with deliberate intent to kill.

56. **MURGIA MOTION** - A request made by defense counsel to dismiss based on a group of people being systematically discriminated against.

1ख्र	मैजिस्ट्रैअ	:	वह न्यायिक अधिकारी जिसे गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करने का अधिकार हो।
2ख्र	मेक या ड्रा	:	अस्तित्व प्रदान करना। कानूनी रूप देना। इकरारनामा, समझौता, शिकायत, उत्तर, प्रार्थना आदि की उचित रूप में रचना और उन्हें लिखना, प्रारूप तैया करना।
3ख्र	म्लैकीसैंस	:	किसी कानून का तमाशा जो बिल्कुल भी नहीं दिखाया जाना चाहिए था।
4ख्र	म्लैाइस	:	दुर्भावना, ईर्ष्या या किसी एक व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति के प्रति हिंसा जो कानूनी औचित्य के बिना कोई गलत कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।
5ख्र	मैकाइस अकोर थौट	:	किसी व्यक्ति की हत्या करने की इच्छा करना या जान-बूझ कर ऐसा काम करना जो मानव जीवन के लिए खतरनाक हो।
6ख्र	मैकीशियस मिसथीक	:	वास्तविक दुर्भावना या इसके स्वामी या धारक के प्रति नाराज़गी के कारण जान-बूझ कर संपत्ति को नष्ट करना।
7ख्र	मैलीशियस प्रौसीक्यूशन	:	बचावकर्त्ता को हानि पहुंचाने के इरादे से की गई कार्यवाही और जिसका कोई संभावित कारण न हो तथा जिसका निर्णय बचावकर्त्ता के पक्ष में होता है।
8ख्र	मैलीशियसली	:	दूसरों को परेशान करना या हानि पहुंचाना या कोई गलत कार्यवाही करने का इरादा, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से दूसरों को हानि पहुंचाना या उनके अधिकारों की घोर उपेक्षा करना शामिल हो सकते हैं।
9ख्र	मैल प्रैक्टिस	:	व्यावसायिक जिम्मेदारी को उचित सावधानी, विश्वसनीय ढंग से बिनपा छल-कपट या सांठ-गांठ से निभाने में लापरवाही। इस शब्द का प्रयोग डाक्टरों, वकीलों और लेखा कारों द्वारा ऐसे व्यवहार के लिए किया जाता है।
10ख्र	म्ैन्डेमस	:	अदालत द्वारा किसी सरकारी अधिकारी को कोई कार्यवाही करने का आदेश।
11ख्र	म्ैन्डेट	:	अदालत अथवा किसी न्यायिक अधिकारी जारी किया न्यायिक आदेश जिसमें संबंधित अधिकारी को अदालत का फैसला, सजा अथवा डिग्री

			लागू करने के निर्देश दिए जाते हैं।
13द्ध	मैनस्लौटर, इनवौलैंटरी	:	बिना दुर्भावना के किसी दूसरे की गैर-कानूनी हत्या, जबकि हत्या किसी ऐसे गैर कानूनी तरीके से हुई हो जिसमें अक्सर गंभीर शारीरिक चोट की आशा नहीं होती।
14द्ध	मैनस्लौटर, वौलटरी	:	किसी की गैर-कानूनी हत्या जो बिना किसी दुर्भावना से अत्याधिक अचानक भावनात्मक आवेग के कारण की गई हो।
15द्ध	मैरीजुआना	:	”कैनाविस“ एक वार्षिक जड़ी-बूटी है जिसका तना कोणिक और खुरदरा होता है और जिसके पत्ते अत्याधिक गोल होते हैं। यह एक गैर-कानूनी औषधि है जिसका प्रयोग इसके धुंए को अंदर खींच कर किया जाता है। इसके प्रयोग से काफी देर तक नशा रहता है। कोई भी व्यक्ति जो इसकी खेती करता है, इसको एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाता है या अपने पास रखता है। अपने व्यक्तिगत प्रयोग के लिए या बेचने के लिए वह अपराध का दोषी होता है जब तक कि वह उचित बचाव पेश न कर सके।
16द्ध	मैरी जुआना के प्रयोग के लिए सहानुभूति पूर्ण प्रयोग का बचाव	:	कुछ परिस्थितियों में मैरीजुआना की खेती, इसको एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना या अपने पास रखना कानूनन होता है जैसे किसी डाक्टर द्वारा दवाई के तौर पर इसका प्रयोग आवश्यक है और इस संबंध में डाक्टर ने मौखिक या लिखित सलाह दी हो बशर्ते यह रोगी के व्यक्तिगत प्रयोग के लिए और उचित मात्राा में हो।
17द्ध	मारसडैन मोशन	:	जब कोई अवयस्क, जिसका प्रतिनिधित्व किसी नियुक्त किए गए वकील द्वारा किया जाता है, अदालत से आवेदन करे कि उस वकील को हटाकर नए वकील की नियुक्ति की जाए, यदि पुराने वकील के रहते प्रभावी वकील प्राप्त करने के उसके अधिकार का हनन हो रहा हो।
18द्ध	मसीहा मोशन	:	धोखे से लिए गए स्वीकारोक्ति के बयान को खारिज करने के लिए प्रस्ताव
19द्ध	मस्टर	:	अपीलीय अदालत के मुख्य जज की मंजूरी से सरकिट अदालत द्वारा नियुक्त किया गया वकील जो सुनवाई का संचालन करने और कानून के तथ्यों तथा निश्कर्षों का पता लगाने का काम करता है और उचित

			आदेश के लिए सिफारिश करता है।
20छ	मैटीरीयल एवीडैंस	:	प्रमाण का वह गुण जो मुद्दे के साथ जज और अपने तर्क संगत संबंध के कारण अथवा जूरी को प्रभावित करता है।
21छ	मैटीरीयल विटनैस	:	अपराध संबंधी मुकद्दमे की सुनवाई में जिस गवाह की गवाही बचाव पक्ष अथवा अभियोग पक्ष के लिए महत्वपूर्ण हो।
22छ	म्हैम	:	दुर्भावनापूर्ण हानि जो दूसरों को विकृत और असमर्थ बनाती है।
23छ	मीडीयेशन	:	ऐसी प्रक्रिया जिसमें कोई तटस्थ व्यक्ति झगड़े से संबंधित लोगों में बातचीत कराने में सहायता करता है ताकि वे दोनों को स्वीकार्य समझौते की ओर बढ़ सकें।
24छ	मैमोरैण्डम आफ कौस्टस	:	अदालत के फैसले के बाद मदानुसार खर्चों की राशि प्रमाणित सूची
25छ	मैमोरियलाईज्ड	:	लिखित रूप में टिप्पणी करना।
26छ	मैनेस	:	धमकी, मनोवृत्ति की घोषणा अथवा प्रदर्शन या किसी को हानि पहुंचाने की दृढ़ता।
27छ	मैंसरीया	:	आपराधिक उत्तरदायित्व सिद्ध करने के लिए दोषपूर्ण सोच।
28छ	मैंटल हैल्थ	:	किसी व्यक्ति की दिमागी हालत ठीक होना।
29छ	मैंटल इनकैपेसिटी	:	जब कोई व्यक्ति विवेक की कमी के कारण जीवन की साधारण बातों को समझने और इच्छानुसार करने में असमर्थ हो।
30छ	मैंटल स्टेट	:	किसी कार्य को करने या न करने की सामर्थ्य के संबंध में किसी की दिमागी हालत।
31छ	मैरिटस	:	तर्कों के आधार पर किया गया निर्णय जो किसी एक पक्ष के अधिकारों से मेल खाता हो जोकि किसी अन्य आधार पर जो मुकद्दमें में उठाए गए अधिकारों से मेल न खाता हो, पर किए गए निर्णय से भिन्न होता है।

32द्ध	माईनर	:	18 वर्ष से कम उम्र का बच्चा
33द्ध	माईन्यूट आर्डर	:	किसी क्लर्क द्वारा तैयार किया गया क्लर्क के आदेश का दस्तावेज
34द्ध	मिरान्डा राईटस	:	वह शर्त जिसके अनुसार किसी पुरूष / स्त्राी की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ से पहले पुलिस को उसके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी देनी होती है जिनमें विशेष तौर से चुप रहने का अधिकार, यह बताना कि उसके द्वारा दिया गया बयान उसके विरूद्ध प्रयोग किया जा सकता है, वकील की सेवा प्राप्त करने का अधिकार, और यदि वह व्यक्ति वकील का खर्च सहन न कर सकता हो तो उसकी इच्छानुसार एक वकील की नियुक्ति का अधिकार शामिल होते हैं।
35द्ध	मिरान्डा वारनिंग	:	देखो मिरान्डा राईटस
36द्ध	मिसडिमीनोर	:	ऐसा अपराध जिसके लिए 1 वर्ष की जेल की सजा दी जा सकती है।
37द्ध	मिसटेक	:	किसी अयोग्य व्यक्ति पर विश्वास, धोखे, आश्चर्य, अनभिज्ञता से उत्पन्न कोई गैर-इरादतन गल्ती, भूल या कार्यवाही
38द्ध	मिस्ट्रायल	:	वह मुकद्दमा जिसे कार्यवाही में पूर्वाग्रह के आधार पर या किन्हीं अन्य असाधारण परिस्थितियों के कारण गैर-कानूनी (जिसका कोई कानूनी प्रभाव न हो) घोषित कर समाप्त कर दिया गया हो।
39द्ध	मिटिगेटिंग सरकमसटांसेज़	:	वे तथ्य जो किसी अपराध के लिए औचित्य या बहाना नहीं होते बल्कि जो दोष की मात्राा को कम करने के कारण बनते जा सकते हैं।
40द्ध	मिटिगेटिंग फैक्टर्स	:	देखो मिटिगेटिंग सरकम्सटांसेज़
41द्ध	मिटिगेशन ऑफ डैमेज़ज	:	हानि पहुंचाने के बाद पीड़ित व्यक्ति को हर्जाने की राशि को कम से कम करने का आदेश।
42द्ध	मिटिमस	:	किसी अदालत द्वारा जारी वह लिखित आदेश जिसमें प्रमुख जिला अधिकारी या किसी अन्य अधिकारी को निर्देश दिया जाता है कि वह

			किसी पुरूष / स्त्राी को जेल, पागलखाने अथवा सुधारगृह में भेजे और जेलर किसी अन्य उचित अधिकारी को निर्देश दिए जाते हैं कि वह उस पुरूष / स्त्राी को तब तक वहां सुरक्षित रखे जब तक कानूनी कार्यवाही द्वारा उसके भाग्य का फैसला न हो जाए।
43द्ध	मैडीफिकेशन	:	किसी एक पक्ष द्वारा मौखिक या लिखित आवेदन जिसमें किसी मुद्दे पर जज को फैसला या आदेश देने के लिए प्रार्थना की जाती है।
44द्ध	मूट	:	किसी कानूनी मुकद्दमे से संबंधित कोई मुद्दा या प्रश्न जिसका अक्सर मुकद्दे के लिए कोई व्यवहारिक महत्व नहीं होता। अनिश्चित मुद्दा एक ऐसा विषय होता है जिसका फैसला जज के द्वारा नहीं किया जा सकता है, दूसरे पक्ष के द्वारा इस पर विवाद नहीं उठाया जाता अथवा इसे अदालत में उठाया ही नहीं गया।
45द्ध	मौरल टरयीच्यूड	:	अनैतिकता, स्वभाविक बुरे अपराधों का तत्व जो कानून द्वारा प्रतिबंधित अपराधों से विपरीत हो।
46द्ध	मोशन	:	किसी मुकद्दमे की कार्यवाही से पहले, दौरान याबाद में किसी पक्ष द्वारा अपने हक में फैसला या आदेश देने के लिए जज को प्रार्थना
47द्ध	मोशन डिनीड	:	किसी जज द्वारा दिया गया निर्णय अथवा आदेश जिसमें किसी पक्ष की प्रार्थना अस्वीकार की गई हो।
48द्ध	मौशन ग्रांटेड	:	किसी जज द्वारा दिया गया निर्णय अथवा आदेश जिसमें किसी पक्ष की प्रार्थना स्वीकार की गई हो।
49द्ध	मोशन इन लिमिनी	:	एक ऐसी लिखित याचिका जो अक्सर निर्णायक मंडल द्वारा मुकद्दमे की कार्यवाही प्रारंभ होने से पहले या बाद में पूर्वाग्रह पूर्ण सवालों या बयानों से बचने के लिए आदेश जारी करने के लिए की जाती है।
50द्ध	मौशन टू क्वैश	:	किसी चीज़ को अवैध और प्रभावहीन बनाने के लिए याचिका
51द्ध	मौशन टू सैवर	:	आमतौर पर बचाव पक्ष की ओर से की जाने वाली याचिका जिसमें संयुक्त बचाव कर्त्ताओं या संयुक्त अदालतों से अलग सुनवाई की प्रार्थना की जाती है।
52द्ध	मोशन टू सप्रैस	:	तथा कथित गैर-कानूनी तलाशी और बरामदगी के दौरान ली गई

			वस्तुओं और बयानों को मुकद्दमे की सुनवाई के दौरान गवाही के तौर पर प्रयोग न करने देने के लिए याचिका।
53द्ध	मगशौट	:	किसी संदेह युक्त व्यक्ति को हिरासत में लेने के बाद खींचे गए चित्रा (पुस्तक के रूप में) जो आमतौर पर पुलिस अधिकारियों द्वारा सरकारी चित्राों के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।
54द्ध	मल्टीप्लीसिटी ऑफ ऐक्शनस	:	एक ही मुद्दे के बारे में अनावश्यक और असंख्य मुकद्दमेबाजी की कोशिशें।
55द्ध	मर्डर	:	जान से मार देने के इरादे से की गई किसी प्राणी की गैर-कानूनी इत्या।
56द्ध	मरजिआ मोशन	:	लोगों के समूह के प्रति योजनाबद्ध तरीके से किए गए भेदभाव के आधार पर बचाव पक्ष के वकील द्वारा खारिज करने की याचिका।

------N-------

1. **NECESSITY –** Controlling force; irresistible compulsion; a power or impulse so great that it admits no choice of conduct.

2. **NE EXEAT** - A writ or court order which forbids the person to whom it is addressed to leave the country, the state, or the jurisdiction of the court.

3. **NEGLECT –** Absence of care or attention in the doing or omission of a given act.

4. **NEGLIGENCE** - When someone fails to be as careful as the law requires to protect the rights and property of others.

5. **NEGOTIABLE INSTRUMENTS** – A written and signed unconditional promise or order to pay a specified sum of money on demand or at a definite time payable to the bearer.

6. **NEXT FRIEND** - One acting without formal appointment as guardian for the benefit of an infant, a person of unsound mind not judicially declared incompetent, or other person under some disability.

7. **NO BILL** - This phrase, endorsed by a grand jury on the written indictment submitted for approval, means that the evidence was found insufficient to indict.

8. **NO-CONTEST CLAUSE** - Language in a will that is meant to keep people from challenging the will. It says that if a person challenges the will and loses, the person gives up anything he or she would have inherited.

9. **NO-FAULT PROCEEDINGS** - A civil case in which parties may resolve their dispute without a formal finding of error or fault.

10. **NOLLE PROSEQUI** - Decision by a prosecutor not to go forward with charging a crime. It translates, "I do not choose to prosecute." Also loosely called nolle pros.

11. **NOLO CONTENDRE** - Same as pleading guilty, except that your plea cannot be used against you in civil court. This can only be used in traffic or criminal court. From the Latin for "I do not wish to contend."

12. **NOMINAL PARTY** - One who is joined as a party or defendant merely because the technical rules of pleading require his presence in the record.

13. **NON COMPOS MENTIS** - Not of sound mind; insane.

14. **NON-CAPITAL CASE** - A criminal case in which the allowable penalty does not include death.

15. **NON EST (INVENTUS)** - A return of process when the sheriff could not find the person who is to be served. Latin meaning "not to be found."

16. **NON OBSTANTE VERDICTO** (N.O.V.) - A verdict entered by the judge contrary to a jury's verdict.

17. **NONSUIT -** The name of a judgment given against a plaintiff when he is unable to prove a case,

or when he refuses or neglects to proceed to trial and leaves the issue undetermined.

18. **NOT GUILTY** - The form of verdict in criminal cases where the jury acquits the defendant.

19. **NOT GUILTY BY REASON OF INSANITY** - The jury or the judge must determine that the defendant, because of mental disease or defect, could not commit the offense.

20. **NOTARY PUBLIC -** A person authorized to certify a person's signature, administer oaths, certify that documents are authentic, and take depositions.

21. **NOTICE** - Written information or warning. For example, a notice to the other side that you will make a motion in court on a certain date.

22. **NOTICE OF MOTION -** A notice to the opposing party, that on a certain date a motion will be made in court.

23. **NOTICE TO PRODUCE** - A notice in writing requiring the opposite party to produce a certain described paper or document at the trial, or in the course of pre-trial discovery.

24. **NUISANCE –** That activity which arises from unreasonable, unwarranted or unlawful use by a person of his own property, and producing such material annoyance resulting in damage.

25. **NULL AND VOID** - Having no force, legal power to bind, or validity.

26. **NULLITY -** A legal action that says a marriage never existed and the persons are still single. (Compare DISSOLUTION.)

27. **NUNC PRO TUNC** - When a court order is issued on one date, but is effective as of a date that is in the past. From the Latin for "now for then.”

28. **NUNCUPATIVE WILL** - An oral (unwritten) will.

1द्ध	नसैस्टी	:	नियंत्राक शक्ति, अप्रतिरोध्य मजबूरी, इतनी प्रबल शक्ति या भावना जो व्यवहार में किसी प्रकार की पसंद को स्वीकार न करे।
2द्ध	नी ऐग्जीट	:	अदालत का आदेश जिसमें किसी ऐसे व्यक्ति जिसके खिलाफ वह आदेश दिया गया है, को देश राज्य या उस अदालत के अधिकार क्षेत्रा से बाहर जाने की मनाही की गई होती है।
3द्ध	नैगलैक्ट	:	दिए गए किसी कार्य को करने में की गई भूल अथवा असावधानी।
4द्ध	नैग्लीजैंस	:	दूसरों के अधिकारों और संपत्ति की सुरक्षा करने में कानून द्वारा प्रत्याशित सावधानी बरतने में असफल रहना।
5द्ध	नैगोशियेबल इस्ट्रूमैंट्स	:	मांगने अथवा धारक को किसी निश्चित समय पर निश्चित धनराशि का बिना शर्त भुगतान करने के लिए एक लिखित और हस्ताक्षरित वचन या आदेश।
6द्ध	नैक्स्ट फैंड	:	बिना नियुक्ति के किसी शिशु के संरक्षक की भूमिका निभाने वाला कोई व्यक्ति, अस्वस्थ दिमाग वाला व्यक्ति जिसे कानूनी तौर पर नाबालिग घोषित नहीं किया गया हो या किसी अन्य असमर्थता से ग्रसित कोई व्यक्ति।
7द्ध	नो–बिल	:	लिखित अभियोग–पत्रा को पूर्ण निर्णायक मण्डल द्वारा मंजूरी के लिए सौंपते हुए इस वाक्यांश से सहमति का अर्थ है कि दोषी ठहराने के लिए दी गई गवाही पर्याप्त नहीं थी।
8द्ध	नो कांटैस्ट कलॉज	:	वसीहत नामे की वह भाषा जिसका प्रयोजन लोगों द्वारा इसको चुनौती देने से रोकना है। इसमें लिखा होता है कि यदि वसीहतनामे को चुनौती देने वाला व्यक्ति हार जाता है तो उस पुरूष / स्त्राी को विरासत में प्राप्त होने वाली वस्तुओं से हाथ धोना पड़ता है।
9द्ध	नो फाल्ट प्रोसीडिंग्स	:	एक दीवानी मुकद्दमा जिसका दोनों पक्ष भूल या गलती का पता लगाए बिना समझौता कर सकते हैं।
10द्ध	नौली प्रोसीक्विट	:	किसी अभियोजक द्वारा मुकद्दमे को आगे न चलाने का निर्णय
11द्ध	नोलोकोन्टैण्ड्र	:	स्वयं को दोषी स्वीकार करने के समान, परन्तु दीवानी अदालत में

			आपकी स्वीकारोक्ति को आपके विरूद्ध प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इसका प्रयोग केवल यातायात अथवा अपराध संबंधी अदालत में किया जा सकता है।
12द्ध	नोमीनल पार्टी	:	कोई भी व्यक्ति जिसको पक्ष या बचावकर्त्ता के रूप में केवल इस लिए शामिल किया जाता है क्योंकि सुनवाई के तकनीकी नियमों के अनुसार दस्तावेजों में उसकी उपस्थिति आवश्यक होती है।
13द्ध	नान काम्पोस मैंटिस	:	अस्वस्थ दिमाग वाला व्यक्ति, पागल व्यक्ति
14द्ध	नान कैपीटल केस	:	ऐसा आपराधिक मुकद्दमा जिसमें फांसी की सजा का प्रावधान नहीं है।
15द्ध	नान ऐस (इन वैंटस)	:	जब कोई जिले का प्रमुख अधिकारी उस व्यक्ति को न ढूंढ पाए जिसे सम्मन की तामील करवानी हो तो प्रक्रिया को दोहराना।
16द्ध	नान ओब्सटैंटे वरडिक्टा	:	निर्णायक मण्डल के फैसले के विरूद्ध दिया गया जज जा फैसला
17द्ध	नानसूट	:	किसी याचिकाकर्त्ता के खिलाफ दिए गए फैसले का नाम, जब वह अपनी बात को सिद्ध कर पाने, या मुद्दे का फैसला होने से पहले कार्यवाही में आगे भाग लेने में लापरवाही अथवा इंकार कर देता है।
18द्ध	नौट गिल्टी	:	फैसले का वह रूप जिसमें निर्णायक मण्डल बचावकर्त्ता को बरी कर देता है।
19द्ध	नौट गिल्टी बाई रीज़न आफ इनसेनिटी	:	निर्णायक मण्डल अथवा जज के लिए यह निश्चित करना आवश्यक है कि क्या बचावकर्त्ता दिमागी बीमारी या खराबी के कारण अपराध नहीं कर सकता था।
20द्ध	नोटरी पब्लिक	:	एक ऐसा व्यक्ति जिसे किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर प्रमाणित करने, शपथ दिलाने दस्तावेजों के असली होने का प्रमाण देना और गवाही आदि लेने का अधिकार होता है।
21द्ध	नोटिस	:	लिखित सूचना या चेतावनी। उदाहरण के लिए दूसरे पक्ष को नोटिस देना कि आप फलां तिथि को अदालत में एक याचिका दोगे।
22द्ध	नोटिस आफ मोशन	:	दूसरे पक्ष को नोटिस कि फलां तिथि को अदालत में एक याचिका दी

			जाएगी।
23द्ध	नोटिस टू प्रोड्यूस	:	विपक्षी पक्ष को लिखित नोटिस कि वह उल्लिखित दस्तावेज को मुकद्दमे की कार्यवाही के दौरान अथवा कार्यवाही से पहले तथ्यों की खोज के समय पेश करे।
24द्ध	न्यूसैंस	:	किसी व्यक्ति द्वारा अपनी संपत्ति का अनुचित, अवैध अथवा गैर-कानूनी प्रयोग से उत्पन्न गतिविधी और उससे होने वाली विशेष परेशानी जिसके परिणाम स्वरूप हानि पहुंचे।
25द्ध	नल ऐंड वोएड	:	जिसमें बांधने की कोई कानूनी शक्ति या औचित्य न हो।
26द्ध	नल्लिटी	:	वह कानूनी कार्यवाही जिसके कथनानुसार विवाह कभी हुआ हीनहीं और दोनों व्यक्ति अभी भी एकल हैं।
27द्ध	नक प्रो टंक	:	जब किसी अदालत का आदेश उसके जारी होने की तिथि से पहले भूतकाल की किसी तिथि से प्रभावी हो।
28द्ध	ननकूपेटिव	:	एक मौखिक (अलिखित) वसीहतनामा।

-----O------

1. **OATH** - When a witness promises to tell the truth in a legal proceeding.

2. **BJECT** - To protest to the court against an act or omission by the opposing party.

3. **OBJECTION** - A formal protest made by a party over testimony or evidence that the other side tries to introduce in court.

4. **BJECTION OVERRULED** - A ruling by the court upholding the act or omission of the opposing party.

5. **OBJECTION SUSTAINED** - A ruling by the court in favor of the party making the objection.

6. **OBSCENITY – C**onduct tending to corrupt the public morals by its indecency or lewdness.

7. **OF COUNSEL** - A phrase commonly applied to counsel employed to assist in the preparation or management of the case, or its presentation on appeal, but who is not the principal attorney for the party.

8. **OFFENDER** - One who commits a crime, such as a felony, misdemeanor, or other punishable unlawful act.

9. **OFFENSE** - An act that breaks the law.

10. **OFFENSIVE WORDS –** Language that offends; displeasing or annoying language.

11. **OFFER OF PROOF** - Presentation of evidence to the court (out of the hearing of the jury) for the court's decision of whether the evidence is admissible.

12. **ON A PERSON'S OWN RECOGNIZANCE** - Release of a person from custody without the payment of any BAIL or posting of BOND, upon the promise to return to court.

13. **ONE-THIRD THE MIDTERM RULE** - The rule that limits a person' sentence when they have been convicted of multiple offenses.

14. **OPENING ARGUMENT** - The initial statement made by attorneys for each side, outlining the facts each intends to establish during the trial.

15. **OPENING STATEMENT** - See OPENING ARGUMENT.

16. **OPINION** - A judge's written explanation of a decision of the court or of a majority of judges. A dissenting opinion disagrees with the majority opinion because of the reasoning and/or the principles of law on which the decision is based. A concurring opinion agrees with the decision of the court but offers further comment. A PER CURIAM OPINION is an unsigned opinion "of the court."

17. **OPINION EVIDENCE** - Witnesses are normally required to confine their testimony to statements of fact and are not allowed to give their opinions in court. However, if a witness is qualified as an expert in a particular field, he or she may be allowed to state an opinion as an expert based on certain facts.

18. **OPPOSITION** - (1) act of opposing or resisting. (2) confronting another.

19. **ORAL ARGUMENT** - The part of the trial when lawyers summarize their position in court and also answer the judge's questions.

20. **ORAL COPULATION –** the act of copulating the mouth of one person with the sexual organ or anus of another person, however slight. Penetration of the mouth, sexual organ or anus is not required.

21. **ORDER TO SHOW CAUSE** - Court order that makes someone go to court to explain to the judge why he or she did not follow the rules.

22. **ORDER, COURT** - (1) Decision of a judicial officer; (2) a directive of the court.

23. **ORDINARY NEGLIGENCE –** The failure to use that degree of care which the ordinary or reasonably prudent person would have used under the circumstances and for which the negligent person is liable.

24. **ORDINANCE** - A regulation made by a local government to enforce, control, or limit certain activities.

25. **ORIGINAL JURISDICTION** - The court in which a matter must first be filed.

26. **OVERRULE** - A judge's decision not to allow an objection. A decision by a higher court finding that a lower court decision was wrong.

27. **OVERRULED** - See OVERRULE.

28. **OVERT ACT** - An open act showing the intent to commit a crime.

29. **OWN RECOGNIZANCE** - Release of a person from custody without the payment of any bail or posting of bond.

1ड्ढ	ओथ	:	जब कोई गवाह कानूनी कार्यवाही के दौरान सत्य बोलने का वचन देता है।
2ड्ढ	आब्जैक्ट	:	विपक्षी व्यक्ति की किसी कार्यवाही या भूल का अदालत में विरोध करना।
3ड्ढ	आब्जैक्शन	:	किसी व्यक्ति द्वारा किसी ऐसी गवाही या प्रमाण का औपचारिक विरोध जिसे विपक्षी व्यक्ति द्वारा अदालत में प्रस्तुत करने का प्रयत्न कियाजा रहा हो।
4ड्ढ	आब्जैक्शन ओवर-रूल्ड	:	विपक्षी व्यक्ति की कार्यवाही अथवा भूल को मान्यता देने का अदालत का निर्णय
5ड्ढ	आब्जैक्शन सस्टेंड	:	विरोध करने वाले व्यक्ति के पक्ष में अदालत का निर्णय।
6ड्ढ	आब्सीनिटी	:	ऐसा व्यवहार जो अपनी अश्लीलता और अभ्रदता के द्वारा सार्वजनिक नैतिकता को भ्रष्ट करने का प्रयत्न करता हो।
7ड्ढ	आफ कौंसल	:	एक ऐसे वकील के लिए प्रयोग किए जाने वाला वाक्यांश जिसकी नियुक्ति मुकद्दमे की तैयारी और उसके प्रबन्ध के लिए या अपील के लिए प्रस्तुत करने के लिए की जाती है परन्तु वह उस व्यक्ति का मुख्य वकील नहीं होता है।
8ड्ढ	औफेंडर	:	वह व्यक्ति जो व्यभिचार अथवा दुष्कर्म जैसे अपराध करता है जो कानून के अनुसार दण्डनीय है।
9ड्ढ	औफेंस	:	कानून तोड़ने वाली कोई कार्यवाही
10ड्ढ	औफेंसिव वर्डस	:	खिझाने वाली भाषा, नाराज़ या परेशान करने वाली भाषा
11ड्ढ	आफर आफ प्रूफ	:	अदालत में प्रमाणों का प्रस्तुतिकरण करना ताकि प्रमाणों की स्वीकार्यता के बारे में अदालत का निर्णय जाना जा सके।
12ड्ढ	आन ए परसनस ओन रिकोगनीजैंस	:	किसी व्यक्ति को इस वचन पर बिना जमानत दिए या बिना बांड भरे हिरासत से मुक्त करना कि वह स्वयं ही अदालत में पुनः पेश हो जाएगा।
13ड्ढ	वन थर्ड दा मिड - टर्म	:	वह नियम जो किसी व्यक्ति को अनेक अपराधों के लिए दी गई सजा

	रूल		को सीमित करता है।
14द्ध	ओपनिंग आर्गूमैंट	:	प्रत्येक पक्ष के वकील द्वारा दिया गया प्रारंभिक वक्तव्य जिसमें मुकद्दमे की कार्यवाही के दौरान प्रत्येक पक्ष द्वारा सिद्ध किये जाने वाले तथ्यों की रूप रेखा दी जाती है।
15द्ध	ओपनिंग स्टेटमैंट	:	देखो 'ओपनिंग आर्गूमैंट'
16द्ध	ओपीनियन	:	किसी जज द्वारा अदालत अथवा जजों के बहुमत के निर्णय का लिखित रूप में स्पष्टीकरण। विरोधी निर्णय उस कानून की तर्क-योग्यता तथा / अथवा सिद्धांतों के कारण, जिस पर निर्णय किया जाता है बहुमत के निर्णय से असहमति प्रकट करता है। मतैक्य का निर्णय अदालत के निर्णय ये सहमति प्रकट करने के अतिरिक्त टिप्पणी भी करता है।
17द्ध	ओपीनियन ऐवीडैंस	:	गवाहों को अपनी गवाही तथ्यों संबंधी बयानों तक सीमित रखनी होती है और अदालत में उन्हें अपने विचार प्रकट करने की अनुमति नहीं दी जाती है। परन्तु यदि कोई गवाह किसी विशेष में कोई माहिर हो तो उस पुरूष / स्त्राी को कुछ विशेष तथ्यों के बारे में माहिर होने के तौर पर अपने विचार प्रकट करने की अनुमति दी जा सकती है।
18द्ध	अपोजीशन	:	(1) विरोध या प्रतिरोध करने की कार्यवाही (2) किसी दूसरे का सामना करना।
19द्ध	ओरल आर्गूमैंट	:	अदालती कार्यवाही का वह भाग जब वकील अदालत में मुकद्दमे का सार बतलाते हैं और जज के प्रश्नों का उत्तर देते हैं।
20द्ध	ओरल कोपूलेशन	:	किसी व्यक्ति के मुंह या गुदा में किसी भी गहराई तक पुरूष का लिंग डाल कर संभोग करने की क्रिया। मुख-छेदन, लिंग अथवा गुदा छेदन की आवश्यकता नहीं है।
21द्ध	आर्डर टू शो काज़	:	अदालत द्वारा किसी व्यक्ति को जारी आदेश कि वह अदालत जाकर जज को स्पष्टीकरण दे कि उसने पुरूष / स्त्राी ने नियमों का पालन क्यों नहीं किया।
22द्ध	आर्डर, कोर्ट	:	(1) किसी न्यायिक अधिकारी का आदेश, (2) किसी अदालत का निर्देश

23द्ध	आर्डिनरी नैग्लीजैंस	:	सावधानी की उस मात्राा का प्रयोग करने में असफल रहना जिसका प्रयोग उन परिस्थितियों में किसी साधारण समझ वाले व्यक्ति द्वारा किया जाता तथा जिसके लिए वह लापरवाह व्यक्ति उत्तरदायी है।
24द्ध	आर्डीनैंस	:	कुछ विशेष गतिविधियों को नियंत्रित करने, लागू करने अथवा सीमित करने के लिए किसी स्थानिक सरकार द्वारा बनाया गया नियम।
25द्ध	औरीजिनल जूरिसडिकशन	:	ऐसी अदालत जहां किसी मुकद्दमे को शुरू में दायर करना जरूरी है।
26द्ध	ओर्वरूल	:	किसी जज द्वारा किसी ऐतराज को स्वीकार करने से इंकार करना। किसी ऊपरी अदालत का निर्णय जिसमें निचली अदालत के फैसले को गलत ठहराया गया हो।
27द्ध	ओर्वरूल्ड	:	देखो 'ओवर्रूल'
28द्ध	ओवर्ट ऐक्ट	:	एक स्पष्ट कार्य जिसमें अपराध करने के इरादे का पता चलता हो।
29द्ध	ओन रिकोगनीजैंस	:	बिना जमानत दिए या बिना बांड भरे किसी व्यक्ति की हिरासत से रिहाई

-----P------

1. **PANDERING –** Pimping. Arranging for acts of prostitution.

2. **PARALEGAL** - A person with legal skills, but who is not an attorney, and who works under the supervision of a lawyer or who is otherwise authorized by law to use those legal skills.

3. **PARDON** - When the chief executive of a state or country releases a convicted person from the punishment given him or her by a court sentence.

4. **PARENS PATRIAE** - The power of the state to act in the parents' place to protect a child or his or her property.

5. **PAROLE** - Supervised release of a prisoner that allows the person to serve the rest of the sentence out of prison if all conditions of release are met.

6. **PAROLE EVIDENCE** - Oral or verbal evidence rather than written. The Parole Evidence Rule limits the admissibility of parole evidence which would directly contradict the clear meaning of terms of a written contract.

7. **PARTY** - One of the sides of a case. The person who started the case is called the plaintiff or defendant. The person being sued is called the defendant or respondent.

8. **PAT DOWN SEARCH –** A limited search of the outer clothing of a person in an attempt to discover weapons which might be used to assault the officer and may be conducted if the officer has a reasonable belief that the detained person is armed and dangerous.

9. **PATENT** - A government grant giving an inventor the exclusive right to make or sell his or her invention for a term of years.

10. **PATERNITY** - Who the birth (biological) parents of a child are.

11. **PEACE OFFICER –** Includes sheriffs and their deputies, members of the police force of cities, and other officers whose duty is to enforce and preserve the public peace.

12. **PENALTY** - Punishment for breaking a law.

13. **PENALTY ASSESSMENT -** An amount of money added to a fine.

14. **PENALTY OF PERJURY –** Circumstances under which a person takes an oath that he will testify, declare, depose or certify truthfully.

15. **PENDING** - The status of a case that is not yet resolved by the court.

16. **PENETRATION, UNLAWFUL – U**nlawful insertion of the male part into the female parts, however slight an extent.

17. **PENITENTIARY** - A prison or place of confinement where convicted felons are sent to serve out the term of their sentence.

18. **PEOPLE (PROSECUTION)** - A state, for example, the People of the State of California.

19. **PER CURIUM OPINION** - An unsigned OPINION of the court.

20. **PEREMPTORY CHALLENGE -** The right to challenge a juror without assigning a reason for the challenge.

21. **PERJURY** - A false statement made on purpose while under oath in a court proceeding.

22. **PERMANENCY HEARING –** The hearing for children placed in or awaiting placement in foster care who were under age three at the time of detention, and for all children, to monitor the welfare of the child, evaluate the parents' reunification efforts and establish a permanent plan for the child.

23. **PERMANENT INJUNCTION** - A court order requiring that some action be taken, or that some party refrain from taking action. It differs from forms of temporary relief, such as a TEMPORARY RESTRIANING ORDER or PRELIMINARY INJUNCTION.

24. **PERMANENT PLANNED LIVING ARRANGEMENT (PPLA)** – One of the permanent plans that may be ordered for a child who is not returned to parental custody (formerly long term foster care).

25. **PERMANENT RESIDENT** - One who lives in a location for a period of time and indicates that it is their official address or residence.

26. **PERSON IN NEED OF SUPERVISION** - Juvenile found to have committed a status offense rather than a crime that would provide a basis for a finding of delinquency. Typical status offenses are habitual truancy, violating a curfew, or running away from home. These are not crimes, but they might be enough to place a child under supervision. In different states, status offenders might be called children in need of supervision or minors in need of supervision. (See STATUS OFFENDERS.)

27. **PERSONAL PROPERTY** - Things that you own and can move, like furniture, equipment, or paintings.

28. **PERSONAL RECOGNIZANCE** - Pre-trial release based on the person's own promise that he or she will show up for trial (no bond required). Also referred to as release on own recognizance or ROR. (See ON A PERSON'S OWN RECOGNIZANCE.)

29. **PERSONAL REPRESENTATIVE** - A person picked by the court to collect, manage and distribute a person's property (estate) when they die. If named in a will, that person's title is an EXECUTOR. If there is no valid will, that person's title is an ADMINISTRATOR.

30. **PETIT JURY or (TRIAL JURY)** - A group of citizens that listen to the evidence presented by both sides at trial and figure out the facts in dispute. Criminal juries are made up of 12 people; civil juries are made up of at least 6 people.

31. **PETITION** - A court paper that asks the court to take action. For example, in juvenile cases, the Petition starts the court case. (Compare MOTION.)

32. **PETITIONER** - A person who presents a petition to the court.

33. **PETTY OFFENSE** - An offense for which the authorized penalty does not exceed imprisonment for 3 months or a fine of $500.

34. **PETTY THEFT** - The act of taking and carrying away the personal property of another of a value usually below $100.00 with the intent to deprive the owner of it permanently.

35. **PIMP** - (1) the act of getting customers for a whore or prostitute; (2) one who gets customers for a whore or prostitute.

36. **PITCHESS MOTION** - A request made by the defendant for discovery of a peace officer's personnel file with regards to any complaints or acts of excessive force and violence.

37. **PLAINTIFF** - The person or company that files a lawsuit.

38. **PLEA** - In a criminal case, the defendant's statement pleading "guilty" or "not guilty" in answer to the charges. (See also NOLO CONTENDRE).

39. **PLEA BARGAIN** - An agreement between the prosecutor and the defendant. It lets the defendant plead guilty to a less serious charge, if the court approves.

40. **PLEAD -** To admit or deny committing a crime.

41. **PLEADING** - Written statements filed with the court that describes a party's legal or factual claims about the case and what the party wants from the court.

42. **POLLING THE JURY** - A practice in which jurors are asked individually whether they agree with the final verdict in the case they just decided.

43. **POLYGRAPH** - Lie detector test and the apparatus for conducting the test.

44. **POSSESSION OF DRUGS** – The presence of drugs on the accused for recreational use or for the purpose to sell.

45. **POST CONVICTION** – A procedure by which a convicted defendant challenges the conviction and/or sentence on the basis of some alleged violation or error.

46. **POSTPONEMENT –** To put off or delay a court hearing.

47. **POUR-OVER WILL** – A will that leaves some or all estate property to a trust established before the will-maker's death.

48. **POWER OF ATTORNEY –** Formal authorization of a person to act in the interest of another person.

49. **PRAYER-** A request of the court to grant the process, aid, or relief which the complainant desires; also, that portion of a document containing such request.

50. **PRECEDENT –**A court decision in an earlier case that the court uses to decide similar or new cases.

51. **PREINJUNCTION –** Court order requiring action or forbidding action until a decision can be made whether to issue a permanent injunction. It differs from a TEMPORARY RESTRAINING ORDER.

52. **PREJUDICE** – When an act or decision affects a person's rights in a negative way.

53. **PREJUDICIAL ERROR –** Synonymous with *reversible error* ; an error which authorizes the appellate court to reverse the judgment before it.

54. **PREJUDICIAL EVIDENCE –** Evidence which might unfairly sway the judge or jury to one side or the other.

55. **PRELIMINARY HEARING** – The hearing available to a person charged with a felony to determine if there is enough evidence (probable cause) to hold him for trial.

56. **PRELIMINARY INJUNCTION** – In civil cases when it is necessary to preserve the status quo prior to trial, the court may issue this or a temporary restraining order ordering a party to carry out a specified activity.

57. **PREMEDITATION** –The planning of a crime before the crime takes place, rather than committing the crime on the spur of the moment.

58. **PREMISES –** That which is put before; that which precedes; the foregoing statements.

59. **PREPERMANENCY HEARING –** The hearing conducted according to Welfare and Institutions Code Section 366.21(e) for foster care placement children who were over age three at the time of detention, to monitor the welfare of the child and evaluate the parents' reunification efforts.

60. **PREPONDERANCE OF THE EVIDENCE** – To win a civil case, the plaintiff has to prove that most of the evidence is on his or her side.

61. **PRESENTENCE REPORT** – A report prepared by the probation department for the judge when sentencing a defendant. Describes defendant's background: financial, job, and family status; community ties; criminal history; and facts of the current offense.

62. **PRESENTMENT** – Declaration or document issued by a grand jury that either makes a neutral report or notes misdeeds by officials charged with specified public duties. It ordinarily does not include a formal charge of crime. A presentment differs from an INDICTMENT.

63. **PRESUMED FATHER** – A man who is married to the mother of the child, who has signed a declaration of paternity, or has received the child into his home and held the child out to the community as his child, whether that man is the biological father of the child, or not.

64. **PRESUMPTION** – An inference of the truth or falsity of a proposition or fact, that stands until rebutted by evidence to the contrary.

65. **PRESUMPTION OF INNOCENCE** – A hallowed principle of criminal law that a person is innocent of a crime until proven guilty. The government has the burden of proving every element of a crime beyond a reasonable doubt and the defendant has no burden to prove his innocence.

66. **PRESUMPTION OF LAW** – a rule of law that courts and judges shall draw a particular inference from a particular fact, or from particular evidence.

67. **PRETERMITTED CHILD** - A child born after a will was written, who is not provided for by the will. Most states have laws that provide for a share of estate property to go to such children.

68. **PRETRIAL CONFERENCE** - Any time both sides of the case go to court before trial. In criminal cases, it's usually when the defendant and prosecutor talk about settling the case.

69. **PRIMA FACIE CASE** - A case that is sufficient and has the minimum amount of evidence necessary to allow it to continue in the judicial process. From the Latin for "from first view."

70. **PRINCIPAL –** The source of authority or right.

71. **PRINCIPALS** – Persons who are involved in committing or attempting to commit a crime. Includes those who directly and actively commit or attempt to commit the crime, or those who assist (aid and abet) in the commission or attempted commission of the crime.

72. **PRINCIPLE TERM -** Greatest term of imprisonment imposed by the court on any one count, imposed of base term plus any enhancements, to which subordinate terms are added.

73. **PRIORS** - Term meaning previous conviction(s) of the accused.

74. **PRIOR CONVICTION -** As used in Superior Court pleadings, an allegation that defendant has previously been imprisoned.

75. **PRIOR INCONSISTENT STATEMENT –** In evidence, these are prior statements made by the witness which contradict statements the witness made on the witness stand.

76. **PRISON** – A federal or state public building or other place for the confinement of persons. It is used as either a punishment imposed by the law or otherwise in the course of the administration of justice. Also known as penitentiary, penal institution, adult correctional institution, or jail.

77. **PRIVACY, RIGHT OF –** The right to be left alone; the right of a person to be free from unwarranted publicity.

78. **PRIVILEGE** - An advantage not enjoyed by all; a special exemption from prosecution or other lawsuits. (See also IMMUNITY.)

79. **PRIVILEGED COMMUNICATIONS** - Confidential communications to certain persons that are protected by law against any disclosure, including forced disclosure in legal proceedings. Communications between lawyer and client, physician and patient, psychotherapist and patient, priest, minister, or rabbi and penitent are typically privileged.

80. **PRIVITY** - Mutual or successive relationships to the same right of property, or the same interest of one person with another which represents the same legal right.

81. **PROBABLE CAUSE** - A good reason to believe that a crime has or is being committed; the basis for all lawful searches, seizures, and arrests.

82. **PROBATE** - The judicial process to determine if a will of a dead person is genuine or not; lawful distribution of a decedent's estate.

83. **PROBATE COURT** - The court with authority to deal with the estates of people who have died.

84. **PROBATE ESTATE** - All the assets in an estate that are subject to probate. This does not include all property. For example, property in joint tenancy are not part of the probate estate.

85. **PROBATION** - A sentencing alternative to imprisonment in which the court releases a convicted defendant under supervision of a probation officer that makes certain that the defendant follows certain rules, for example, gets a job, gets drug counseling.

86. **PROBATION BEFORE JUDGMENT (PBJ)** - A conditional avoidance of imposing a sentence after conviction.

87. **PROBATION DEPARTMENT -** The department that oversees the actions of those who are on probation as well as the location of where probation officers work.

88. **PROBATION OFFICER** - One who supervises a person placed on probation and is required to report the progress and to surrender them if they violate the terms and conditions of the probation.

89. **PRO BONO** - Legal work done for free. From the Latin meaning "for the public good."

90. **PROCEDURAL LAW** - The method, established normally by rules to be followed in a case; the formal steps in a judicial proceeding.

91. **PRODUCTS LIABILITY –** Refers to the legal liability of manufacturers and sellers to compensate buyers, users and even bystanders for damages or injuries suffered because of defects in goods purchased.

92. **PROFFER** - An offer of proof as to what the evidence would be if a witness were called to testify or answer a question.

93. **PRO HAC VICE -** for this one particular occasion. For example, an out-of-state lawyer may be admitted to practice in a local jurisdiction for a particular case only. From the Latin meaning "for this turn."

94. **PROHIBITION -** Act or law that forbids something.

95. **PROMISSORY NOTE -** A written document that says a person promises to pay money to another.

96. **PROOF** - Any fact or evidence that leads to a judgment of the court.

97. **PROOF OF SERVICE** - A form filed with the court that proves that court papers were properly delivered to someone.

98. **PRO PER** - Person who presents their own cases in court without lawyers (See also IN PROPIA PERSONA and PRO SE.)

99. **PROPERTY** – Something tangible or intangible that someone holds legal title.

100. **PRO SE** - Person who presents their own cases in court without lawyers (See also PRO PER and PRO SE.)

101. **PROSECUTING ATTORNEY** - A public office who prosecutes criminal cases for the state. See PROSECUTOR and DISTRICT ATTORNEY.

102. **PROSECUTION** - The party that starts a criminal case and files criminal charges. The prosecution is the lawyer for the state. A common name for the state's side of the case.

103. **PROSECUTOR** - A trial lawyer representing the government in a criminal case and the interests of the state in civil matters. In criminal cases, the prosecutor has the responsibility of deciding who and when to file charges.

104 **PROSTITUTION** - The performance or agreement to perform a sexual act for hire.

105. **PROTECTIVE ORDER** - A court order to protect a person from further harassment, service of process, or discovery.

106. **PRO TEM** - A temporary assigned official with authority to hear and decide cases in a court.

107. **PROXIMATE CAUSE** - The act that caused an event to occur.

108. **PUBLIC DEFENDER -** A lawyer picked by the court to represent a defendant who cannot afford a lawyer.

109. PUNITIVE DAMAGES - Money awarded to an injured person, over and above the measurable value of the injury, in order to punish the person who hurt him.

110. PURGE - To clean or clear, such as eliminating inactive records from court files; with respect to civil contempt, to clear the noncompliance that caused the contempt finding.

1ड्ढ	पैंडरिंग	:	दलाली करना, वैश्यवृत्ति संबंधी गतिविधियों के लिए प्रबंध करना।
2ड्ढ	पैरालीगल	:	कानूनी निपुणता वाला व्यक्ति, परन्तु जो वकील न हो और जो किसी वकील की देखरेख में काम करता हो या जिसे किसी अन्य तरीके से अपनी कानूनी निपुणता का प्रयोग करने का अधिकार प्राप्त हो।
3ड्ढ	पारडन	:	किसी पुरूष / स्त्री को कानून द्वारा दी गई सजा को किसी राज्य या देश के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा माफ कर देना।
4ड्ढ	पेरेंस पैट्रियें	:	किसी बालक / बालिका के माता-पिता के स्थान पर राज्य द्वारा उसकी संपत्ति को सुरक्षित रखने का अधिकार।
5ड्ढ	पैरोल	:	किसी कैदी की परख अधीन रिहाई जिसके अनुसार वह बाकी की सजा जेल से बाहर रहकर काट सकता है यदि वह रिहाई की सभी शर्तों को पूरा करे।
6ड्ढ	पैरोल ऐवीडैंस	:	लिखित गवाही की बजाए मौखिक अथवा बोल कर दी गई गवाही। पैरोल ऐवीडैंस संबंधी नियम ऐसे मामलों में पैरोल ऐवीडैंस की स्वीकार्यता को सीमित करते हैं जहां ऐसी गवाही किसी लिखित समझौते की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघना करती हो।
7ड्ढ	पार्टी	:	किसी मुकद्दमे के पक्षों में से कोई एक पक्ष। मुकद्दमा शुरू करने वाले व्यक्ति को वादी या शिकायतकर्त्ता कहा जाता है। जिस व्यक्ति के विरूद्ध मुकद्दमा किया जाता है उसे बचावकर्त्ता या प्रतिवादी कहा जाता है।
8ड्ढ	पैट डाऊन सर्च	:	उन हथियारों की बरामदगी के लिए बाहरी वस्त्रों की सीमित तलाशी जिनका प्रयोग अधिकारी पर अचानक हमला करने के लिए किया जा सकता है। ऐसी तलाशी तब की जा सकती है जब अधिकारी को उचित विश्वास हो कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति हथियार लिए हुए और खतरनाक है।
9ड्ढ	पेटेंट	:	किसी पुरूष / स्त्री आविष्कारक को अपने आविष्कार का कुछ वर्षों की अवधि के लिए निर्माण अथवा विक्रय करने का सरकार द्वारा दिया गया एकाधिकार।

10छ	पैटरनिटी	:	जो बच्चे के (जीवन संबंधी) जन्म से माता-पिता हों।
11छ	पीस आफीसर	:	इसमें जिलों के प्रमुख अधिकारी, उनके सहायक, शहरी पुलिस बल के सदस्य और अन्य अधिकारी, जिनका काम सार्वजनिक शांति लागू करना और बनाए रखना है, शामिल होते हैं।
12छ	पैनलिटी	:	किसी कानून को तोड़ने की सज़ा।
13छ	पैनल्टी असैसमेंट	:	जुर्माने के साथ जोड़ी गई धनराशि।
14छ	पैनल्टी आफ परजरी	:	वे परिस्थितियां जिनमें कोई व्यक्ति यह शपथ लेता है कि वह सत्यतापूर्वक बयान व गवाही देगा और प्रमाणित करेगा।
15छ	पैंडिंग	:	उस मुकद्दमे की स्थिति जिसका अभी अदालत द्वारा निर्णय नहीं किया गया है।
16छ	पैनीट्रेशन, अन-ला-फुल	:	पुरूष के लिंग का स्त्री के अंगों में गैर-कानूनी ढंग से प्रवेश कराना, चाहे कितनी भी कम गहराई हो।
17छ	पैनीटैंशियरी	:	कारगार या बंदीग्रह जहां सजा याफ्ता मुजरिमों को अपनी सजा काटने के लिए भेजा जाता है।
18छ	प्यूपल (प्रौसीक्यूशन)	:	कोई राज्य, उदाहरण के लिए कैलीफौरनिया राज्य।
19छ	पर कुरियम ओपीनियन	:	किसी अदालत का अलिखित निर्णय।
20छ	पिरैंपट्री चैलेंज	:	निर्णायक मण्डल के किसी सदस्य को बिना कारण बताए चुनौती देना।
21छ	परजरी	:	किसी मुकद्दमे की कार्यवाही के दौरान अदालत में शपथ लेकर भी गलत बयानी करना।
22छ	परमानैंसी हीयरिंग	:	माता-पिता की गिरफ्तारी के समय 3 वर्ष से कम उम्र के बच्चे जिनका पालन-पोषण धर्म के माता-पिता के द्वारा किया जा रहा है या जिनको अभी उनके पास भेजा जाना है, उनके तथा सभी बच्चों के कल्याण के

			लिए उन्हें अपने माता-पिता से पुनः मिलाने के लिए प्रयत्नों के लिए तथा बच्चों के लिए स्थायी योजना के लिए की गई सुनवाई।
23द्ध	परमानैंट इनजंक्शन	:	अदालत का वह आदेश जिसमें कोई कार्यवाही करने का निर्देश होता है या किसी पक्ष को कोई कार्यवाही करने से रोका जाता है। इसका प्रारूप अस्थायी राहत से भिन्न है, जैसे कि टैंप्रेरी रैस्ट्रेनिंग आर्डर या प्रिलिमीनरी इन्जंक्शन।
24द्ध	परमानैंट प्लैन्ड लिविंग अरेंजमैंट	:	किसी ऐसे बच्चे के लिए जिसे अपने माता-पिता का संरक्षण प्राप्त नहीं हुआ है, के लिए किसी स्थायी योजना, जिसका आदेश दिया जाना है।
25द्ध	परमानैंट रेजीडैंट	:	वह व्यक्ति जो किसी स्थान पर कुछ अवधि तक रहता है और इंगित करता है कि यहीं उसका सरकारी पता और निवास स्थान है।
26द्ध	परसन इन नीड ऑफ सुपरवीज़न	:	18 वर्ष से कम उम्र का बच्चा जिसने अपराध की अपेक्षा स्वभाविक दोष किया हो, उसके विरूद्ध सामाजिक दुरव्यवहार का दोष साबित करने का आधार बनता है। इस वर्ग के दोष हैं, आदतन कर्त्तव्य-त्याग, कर्फियू का उल्लंघन या घर से भाग जाना। ये अपराध नहीं हैं परन्तु किसी बच्चे को देखरेख अधीन रखने के लिए पर्याप्त है।
27द्ध	पर्सनल प्रोपर्टी	:	वे वस्तुएं जिन पर आपका स्वामित्व है और जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाई जा सकती हैं, जैसे फर्नीचर, साज-सामान या पेंटिंग्स आदि।

28द्ध	परर्सनल रैकोगनी जैंस	:	किसी पुरूष/स्त्री द्वारा दिए गए इस वचन ि कवह मुकद्दमे की कार्यवाही में स्वयं उपस्थित हो जाएगा, के आधार पर कार्यवाही से पहले उसकी रिहाई (जिसके लिए किसी बांड की जरूरत नहीं होती)
29द्ध	पर्सनल रिप्रज़ेंटेटिव	:	किसी व्यक्ति की मृत्यु के समय उसकी संपत्ति को एकत्रा करने उसका प्रबंध और वितरण करने के लिए अदालत के द्वारा चुना गया कोई व्यक्ति। यदि वसीहत नामे में उसका नाम लिखा हो तो उसे प्रबंधक कहा जाएगा। यदि कोई वैध वसीहतनामा नहीं है तो उसको प्रशासक कहा जाएगा।
30द्ध	पैटिट जूरी या ट्रायल	:	नागरिकों का वह समूह जो मुकद्दमे की कार्यवाही के समय दोनों पक्षों

	जूरी		के द्वारा पेश किए गए गवाहों को सुनते हैं और झरोड़ के तथ्यों का अनुमान लगाते हैं। अपराध संबंधी निर्णायक मण्डल के 12 सदस्य होते हैं। दीवानी मुकद्दमों से संबंधित निर्णायक मण्डल के कम से कम 6 सदस्य होते हैं।
31द्ध	पैटीशन	:	अदालती दस्तावेज जिसमें अदालत को कार्यवाही करने का आवेदन किया जाता है। उदाहरण के लिए, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के मुकद्दमे याचिका से शुरू होते हैं।
32द्ध	पैटीशनर	:	वह व्यक्ति जो अदालत में याचिका दायर करता है।
33द्ध	पैट्टी औफैंस	:	ऐसा दोष जिसके लिए अधिकृत 3 वर्ष से अधिक कैद या 500 डालर जुर्माने से अधिक सजा नहीं दी जा सकती।
34द्ध	पैट्टी थैफ्ट	:	किसी दूसरे की 100 डालर से कम कीमत की संपत्ति इसके स्वामी को सदा के लिए इससे वंचित करने के लिए उठा ले जाना।
35द्ध	पिम्प	:	(1) किसी रंडी या वैश्या के लिए ग्राहक जुटाने का कार्य। (2) वह व्यक्ति जो किसी रंडी या वैश्या के लिए ग्राहक जुटाता है।
36द्ध	पिच्चैस मोशन	:	आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग और हिंसा की कार्यवाही या किन्हीं शिकायतों के संबंध में शांति कायम रखने वाले अधिकारी के कर्मचारियों की फाईल बरामद करने के लिए बचावकर्त्ता द्वारा की गई याचिका।
37द्ध	प्लेंटिक	:	मुकद्दमा दायर करने वाला कोई व्यक्ति या कंपनी।
38द्ध	प्ली	:	लगाए गए दोषों के उत्तर में किसी आपराधिक मुकद्दमे में बचावकर्त्ता का बयान कि ”दोषी हूं“ या ”दोषी नहीं हूं“ का बयान।
39द्ध	प्ली बारगेन	:	अभियोजक और बचावकर्त्ता के बीच हुआ समझौता। यह बचावकर्त्ता को कम गंभीर अपराध के लिए दोषी होने की स्वीकार्यता की छूट देता है, यदि अदालत मंजूरी दे तो।
40द्ध	प्लीड	:	किसी अपराध करने को स्वीकारना या नकारना।
41द्ध	प्लीडिंग	:	किसी पक्ष द्वारा अदालत में दिए गए लिखित बयान जिनमें मुकद्दमे के

			बारे में उस पक्ष के कानूनी तथा तथ्यों पर आधारित दावों का वर्णन दिया होता है और यह भी लिखा रहता है कि वह पक्ष अदालत से क्या चाहता है।
42द्ध	पौलिंग दी जूरी	:	वह प्रक्रिया जिसके अनुसार निर्णायक मण्डल के सदस्यों अलग-अलग पूछा जाता है कि क्या वे उस मुकद्दमे के अंतिम फैसले से सहमत है जिसका निर्णय उन्होंने अभी-अभी किया है?
43द्ध	पौलीग्राफ	:	झूठ पकड़ने के लिए किया गया परीक्षण और ऐसे परीक्षण के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीन
44द्ध	पोजेशन आफ ड्रग्स	:	मन बहलावे अथवा विक्रय के लिए दोषी के पास नशीली दवाओं का होना
45द्ध	पोस्ट कन्विक्शन	:	वह प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत तथा कथित उल्लंघन या गलती के कारण कोई सजा प्राप्त व्यक्ति अपनी सजा के आदेश को चुनौती देता है।
46द्ध	पोस्टयोनमैंट	:	अदालती सुनवाई को आगे डालना या उसमें देरी करना।
47द्ध	पोर-ओवर विल	:	ऐसा वसीयतनामा जिसमें वसीयत करने वाले ने अपनी जायदाद का कुछ भाग अथवा पूरी जायदाद किसी ऐसे ट्रस्ट के नाम की हो जिसकी स्थापना उसकी मृत्यु से पहले हुई हो।
48द्ध	पावर आफ अटार्नी	:	किसी दूसरे के हित में कार्यवाही करने का अधिकार देना।
49द्ध	प्रेयर	:	शिकायतकर्त्ता द्वारा वांछित प्रक्रिया, सहायता अथवा राहत की मंजूरी के अदालत से आवेदन, ऐसे आवेदन वाले दस्तावेज का कोई भाग भी।
50द्ध	प्रैसीडैंट	:	पुराने मुकद्दमों में अदालत द्वारा दिया गया फैसला जिसका प्रयोग अदालत द्वारा उस जैसे या नए मुकद्दमे का फैसला करने के लिए किया जाता है।
51द्ध	प्री-इन्जंक्शन	:	अदालत द्वारा स्थायी आदेश के निर्णय तक किसी कार्यवाही को करने या न करने का आदेश। यह अस्थायी स्थगन आदेश से भिन्न है।
52द्ध	प्रैजुडाईस	:	जब कोई कार्य अथवा निर्णय किसी के अधिकारों को नकारात्मक ढंग से प्रभावित करता हो।

53द्ध	प्रैजुडीशियल आर्डर	:	परिवर्तनीय गलती, वह गलती जो अपीलीय अदालत को विचाराधीन फैसले को उलटाने का अधिकार देती है।
54द्ध	प्रैजुडी शियल ऐवीडैंस	:	वह गवाही जो जज अथवा निर्णायक मण्डल को नजायज ढंग से किसी एक पक्ष की ओर झुका दे।
55द्ध	प्रिलिमिनरी हीयरिंग	:	यह जानने के लिए किसी कुकर्म करने के किसी दोषी व्यक्ति पर मुकद्दमा चलाने के लिए र्प्याप्त प्रमाण। संभावित कारण है या नहीं, उस व्यक्ति को उपलब्ध सुनवाई का अवसर
56द्ध	प्रिलिमिनरी इन्जंक्शन	:	जब दीवानी मुकद्दमों में कार्यवाही से पहले पूर्व-स्थिति बहाल रखना आवश्यक हो तो अदालत यह आदेश या स्थायी स्थगन आदेश दे सकती है जिसमें किसी पक्ष को किसी विशेष कार्य को करने का आदेश दिया होता है।
57द्ध	प्रीमैडीटेशन	:	एकदम अपराध करने की बजाए जिसे पहले करने से पहले अपराध करने की योजना बनाना।
58द्ध	प्रीमाईजेज़	:	जिसे पहले रखा जाता है, पहले आने वाला, पहले दिए गए बयान।
59द्ध	प्री-परमानैंसी हीयरिंग	:	वैल्फेयर एण्ड इन्सटीट्यूशन कोड के सैक्शन 366.21 (ई) के अनुसार माता-पिता की गिरफ्तारी के समय 3 वर्ष से ऊपर की उम्र वाले बच्चों को धर्म के माता-पिता की संभाल में भेजने, बच्चे की भलाई का ध्यान रखने और माता-पिता के साथ पुनर्मिलन के प्रयत्नों का मूल्यांकन करने के लिए की गई सुनवाई।
60द्ध	प्री-पौंड्रैंस आफ दी ऐवीडैंस	:	किसी पुरूष/स्त्राी वादी को मुकद्दमा जीतने के लिए सिद्ध करना होता है कि अधिकांश प्रमाण उसके पक्ष में हैं।
61द्ध	प्रैजैंटेस रिपोर्ट	:	जज द्वारा किसी बचावकर्त्ता को सजा देते समय निगरान विभाग द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट। इसमें बचावकर्त्ता की पृष्ठभूमि का वर्णन होता है, वित्तीय, कामकाजी एवं पारिवारिक स्थिति, सामुदायिक संबंध, आपराधिक इतिहास और वर्तमान अपराध के तथ्य आदि।
62द्ध	प्रैजैंटमैंट	:	पूर्ण निर्णायक मण्डल द्वारा जारी वह घोषणा या हस्तावेज जिसमें सार्वजनिक उत्तरदायित्व के पदों पर आसीन सरकारी अधिकारियों के

			कुकृत्यों की तटस्थ रिपोर्ट या उल्लेख होता है। साधारणतया इसमें अपराध का औपचारिक दोष शामिल नहीं होता है। प्रैजैंटमैंट और इनडिक्टमैंट में अंतर होता है।
63द्ध	प्रिज्यूम्ड फादर	:	वह आदमी जिसका बच्चे की माता से विवाह हुआ हो, जिसने पैतृकता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए हों या जिसने बच्चे घर में प्राप्त किया और बच्चे को अपने बच्चे के रूप में समुदाय के समक्ष प्रस्तुत किया हो, चाहे वह आदमी जीव-विज्ञान के आधार पर उस बच्चे को पिता है या नहीं।
64द्ध	प्रिजम्पशन	:	किसी प्रस्ताव अथवा तथ्य की सत्यता अथवा झूठा होने का निष्कर्ष जो तब तक मान्य होता है जब तक इसके विपरीत प्रमाण द्वारा इसे गलत सिद्ध न कर दिया जाए।
65द्ध	प्रिजम्पशन आफ इन्नोसैंस	:	अपराध संबंधी कानून का वह सात्विक सिद्धांत जिसके अनुसार कोई व्यक्ति अपराध के लिए तब तक निर्दोष होता है जब तक कि उसे दोषी सिद्ध न किया गया हो। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपराध के प्रत्येक तत्व को प्रमाणित करने में शक की गुंजाइश न छोड़े और बचावकर्त्ता पर अपने निर्दोष होने का प्रमाण देने की जिम्मेदारी नहीं है।
66द्ध	प्रिजम्पशन आफ ला	:	कानून का वह नियम जिसके अनुसार अदालतें और जज किसी विशेष निष्कर्ष पर किसी विशेष तथ्य अथवा विशेष प्रमाण के आधार पर ही पहुंचेंगे।
67द्ध	प्रीटर्मिटेड चाईल्ड	:	वह बच्चा जिसका जन्म वसीयतनामा लिखने के बाद हुआ हो और जिसके बारे में वसीयत नामे में कोई प्रावधान न किया गया हो। अधिकतर राज्यों में ऐसे कानून है जिनमें यह प्रबंध किया गया है कि जायदाद में ऐसे का हिस्सा उन्हें मिले।
68द्ध	प्री–ट्रायल कान्फ्रैंस	:	मुकद्दमे की कार्यवाही से पहले किसी भी समय दोनों पक्ष अदालत के समक्ष जा सकते हैं। आपराधिक मामलों यह वह समय है जब बचावकर्त्ता और अभियोजक दोनों समझौते के बारे में बातचीत करते हैं।
69द्ध	प्राईसा फेसाई केस	:	वह योग्य मुकद्दमा जिसमें कानूनी प्रक्रिया के जारी रखे जाने की आज्ञा

			देने के लिए आवश्यक कम से कम प्रमाण मौजूद हों। यह शब्द लातीनी भाषा से आया है जिसका अर्थ है, ”प्रथम दृष्टि से“।
70द्ध	प्रिंसीपल	:	शक्ति अथवा अधिकार का स्रोत्रा।
71द्ध	प्रिंसीपल्स	:	वे लोग जो अदालत करने अथवा अपराध करने की कोशिश में शामिल हों इनमे वे लोग भी शामिल होते हैं जो प्रत्यक्ष एवं सक्रिय रूप से अपराध करते हैं या अपराध करने का प्रयत्न करते हैं अथवा जो अपराध करने या अपराध करने के प्रयत्न में सहायता करते हैं या उकसाते हैं।
72द्ध	प्रिंसीपल टर्म	:	अदालत द्वारा किसी एक अपराध के लिए दी जाने वाली जेल जाने की अत्याधिक अवधि की सजा, आधारभूत सजा तथा इसमें की गई वृद्धियां, जिसमें आश्रित अवधियां भी जोड़ी जाती हैं।
73द्ध	प्रायर्स	:	दोषी को पहले दी गई सजा की अवधियां
74द्ध	प्रायर कन्विकशन	:	ऊपरी अदालतों में प्रयोग अनुसार, यह आरोप कि बचावकर्त्ता को पहले भी जेल जा चुका है।
75द्ध	प्रायर इनकंसिसटैंट स्टेटमैंट	:	गवाही में ये किसी ग्वाह द्वारा पहले दिए गए बयान हैं जो गवाह द्वारा कटघरे में दिए गए बयान से विपरीत हैं।
76द्ध	प्रिज़न	:	कोई संघीय अथवा प्रांतीय सरकारी इमारत या कोई और स्थान जो लोगों को हिरासत में रखने के लिए होता है। इसका प्रयोग या तो सजा मिलने के बाद या न्याय के प्रशासन के दौरान किया जाता है। इसको पश्चाताप गृह, सुधारगृह या जेल भी कहा जाता है।
77द्ध	प्राईवेसी, राईट ऑफ	:	अकेला छोड़े जाने का अधिकार, किसी व्यक्ति का अनचाहे प्रचार से स्वतंत्रा रहने का अधिकार।
78द्ध	प्रिविलेज़	:	ऐसा लाभ जिसे सभी नहीं ले सकते, इस्तगासे या किसी अन्य मुकद्दमे से छूट
79द्ध	प्रिविलेज्ड कम्यूनिकेशनस	:	कुछ लोगों को भेजे जाने वाले गुप्त संदेश जो कानूनी प्रक्रिया में जबरन खुलासे सहित सभी प्रकार के खुलासों के विरूद्ध कानून द्वारा सुरक्षा

			प्राप्त हैं। वकील तथा मुवक्किल के बीच, डाक्टर तथा रोगी के बीच, मनोचिकित्सक तथा रोगी के बीच, पुजारी, मंत्री तथा पश्चाताप करने वाले के बीच संवाद इसी श्रेणी में आते हैं।
80द्ध	प्राईविटी	:	संपत्ति के समान अधिकार के प्रति परस्पर अथवा क्रमानुसार संबंध अथवा किसी एक व्यक्ति का दूसरे के साथ समान हित जो समाज कानूनी अधिकार को प्रकट करता है।
81द्ध	प्रोबेबल कॉज़	:	यह विश्वास करने के लिए कि अपराध किया जा चुका है या किया जा रहा है, उपर्युक्त कारण। सभी वैध तलाशियों, बरामदगियों और गिरफ्तारियों का आधार।
82द्ध	प्रोबेट	:	यह निश्चित करने के लिए किसी मृतक या बसीयतनामा असली है या नहीं, अपनाई जाने वाली न्यायिक प्रक्रिया। किसी वारिस की जायदाद का वैध विभाजन।
83द्ध	प्रोबेट कोर्ट	:	वह अदालत जिसे मृतकों की जायदाद का बंटवारा करने का अधिकार प्राप्त हो।
84द्ध	प्रोबेट ऐस्टेट	:	किसी जायदाद में शामिल सभी संपत्तियां जिन पर वैध विभाजन की शर्त लागू होती है। इसमें सारी जायदाद नहीं आती है। उदाहरण के लिए, संयुक्त पट्टेदारी की संपत्ति प्रोबेट ऐस्टेट का भाग नहीं है।
85द्ध	प्रोबेशन	:	जेल जाने की सजा का एक विकल्प जिसके अन्तर्गत किसी दोषी को प्रोबेशन अधिकारी की देखरेख में अदालत रिहा कर देती है जो यह निश्चित करता है कि बचावकर्त्ता कुछ नियमों का पालन करता है। उदाहरण के लिए, वह कोई काम धंधा करता है, वह नशीली दवाओं के प्रति परामर्श लेता है।
86द्ध	प्रोबेशन बिफोर जजमैंट	:	दोषी करार दिए जाने के बाद सजा लागू करने से सशर्त बचाव।
87द्ध	प्रोबेशन डिपार्टमैंट	:	वह विभाग जो उन लोगों की गतिविधियों पर नजर रखता है जो प्रोबेशन पर हैं। साथ ही उन स्थानों पर भी नजर रखी जाती है जहां प्रोबेशन अधिकारी कार्यरत है।
88द्ध	प्रोबेशन आफीसर	:	वह अधिकारी जो प्रोबेशन पर रिहा किए गए व्यक्तियो पर नज़र

			रखता है और जिसे इस बारे प्रगति रिपोर्ट देनी होती है। वह उन लोगों से समर्पण करवाता है जो प्रोबेशन की शर्तों का उल्लंघन करते हैं।
89द्ध	प्रोबोनो	:	निःशुल्क की गई कानूनी कार्यवाही। यह शब्द लातीनी भाषा से आया है जिसका अर्थ है, ”लोक-कल्याण के लिए।“
90द्ध	प्रोसीजरल लॉ	:	साधारणतया किसी मुकद्दमे में अपनाए जाने वाले नियमों द्वारा स्थापित विधि, न्यायिक कार्यवाही में औपचारिक चरण।
91द्ध	प्रोइक्टस लायबिलिटी	:	इसका अर्थ उत्पादकों और विक्रेताओं द्वारा खरीददारों, प्रयोगकर्त्ताओं और यहां तक कि पास खड़े लोगों को खरीदे गए माल में खराबी के कारण हुई हानि के बदले मुआवजा देने की वैधानिक जिम्मेदारी है।
92द्ध	प्रोफर	:	प्रमाण देने की पेशकश कि यदि किसी गवाह को गवाही देने या किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए बुलाया जाता तो गवाही कैसी होती।
93द्ध	प्रो हैक वाईस	:	इस विशेष अवसर के लिए। उदाहरण के लिए, किसी बाहरी राज्य के वकील को स्थानिक अधिकार क्षेत्रा के किसी विशेष मुकद्दमें की कार्यवाही में भाग लेने की आज्ञा दी जा सकती है।
94द्ध	प्रोहिबीशन	:	वह कानून या नियम जो किसीबात पर पाबंदी लगाता हो।
95द्ध	प्रोमिसरी नोट	:	वह लिखित दस्तावेज जिसमें कोई व्यक्ति किसी दूसरे को धन चुकाने का वचन देता है।
96द्ध	प्रूफ	:	कोई तथ्य या प्रमाण जिसके आधार पर अदालत किसी निर्णय पर पहुंचती है।
97द्ध	प्रूफ आफ सर्विस	:	अदालत में दाखिल किया गया वह फार्म जो यह सिद्ध करता है कि अदालत के कागज किसी व्यक्ति के पास ठीक ढंग से पहुंचाए जा चुके हैं।
98द्ध	प्रो पर	:	वे लोग जो वकील के बिना अपने मुकद्दमों को अदालत में स्वयं पेश करते हैं।
99द्ध	प्रौपर्टी	:	कोई स्पष्ट अथवा स्पर्शातीत वस्तु जिस पर किसी का वैधानिक स्वामित्व हो।

100द्ध	प्रो से	:	वे व्यक्ति जो अदालत में अपने मुकद्दमे बिना वकील के स्वयं पेश करते हैं।
101द्ध	प्रौसीक्यूटिंग अटार्नी	:	वह सरकारी अधिकारी जो सरकार की ओर से आपराधिक मुकद्दमों का अभियोजन करता है।
102द्ध	प्रौसीक्यूशन	:	वह पक्ष जो आपराधिक मुकद्दमा दायर करता है और आपराधिक दोष दायर करता है। प्रौसीक्यूशन सरकारी वकील होता है। वह मुकद्दमे में सरकार का सामान्य नाम है।
103द्ध	प्रोसीक्यूटर	:	किसी आपराधिक मुकद्दमे की कार्यवाही में सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाला और दीवानी मामलों में राज्य के हितों का ध्यान रखने वाला वकील। आपराधिक मुकद्दमे में यह फैसला करना अभियोजक का काम होता है कि दोषारोपण कब और किसे करना है।
104द्ध	प्रौस्टीट्यूशन	:	धन के बदले यौन संबंधी क्रिया करना या करने के लिए इकरार करना।
105द्ध	प्रौटेक्टिव आर्डर	:	अदालत वह आदेश जिसके द्वारा किसी व्यक्ति को और अधिक परेशानी, प्रक्रिया की तामील और बरामदगी के विरूद्ध सुरक्षा प्रदान की जाती है।
106द्ध	प्रो टैम	:	किसी अदालत में अस्थायी तौर पर मुकद्दमों की सुनवाई और उनका फैसला करने के लिए नियुक्त किया गया अधिकारी।
107द्ध	प्रौक्सीमेंट कौज़	:	वह कार्य जिसके कारण कोई घटना घटी।
108द्ध	पब्लिक डिफैंडर	:	अदालत द्वारा किसी ऐसे बचावकर्त्ता का प्रतिनिधत्व करने के लिए चुना गया वकील जो वकील का खर्च वहन नहीं कर सकता।
109द्ध	प्यूनीटिव डैमेजन	:	घायल करने वाले व्यक्ति को सजा देने के उद्देश्य से घायल व्यक्ति को घाव की मूल्यांकित राशि से अधिक दिया गया धन।
110द्ध	पर्ण	:	साफ-सफाई करना, जैसे कि अदालती फाईलों में से पुराने रिकार्ड को बाहर निकाल कर नष्ट करना। दीवानी अवहेलना के संबंध में, उस कार्यवाही को समाप्त करना जिसके कारण अवहेलना हुई थी।

------Q-------

1. **QUANTUM MERUIT** - Latin meaning "as much as he deserves," and describes the extent of liability on a contract implied by law.

2. **QUASH** - To overthrow, to vacate, to annul or make void.

3. **QUASI JUDICIAL** - Authority or discretion vested in an officer whose actions are of a judicial character.

4. **QUID PRO QUO** - Something for something; giving one valuable thing for another.

5. **QUO WARRANTO** - A writ issuable by the state, through which it demands an individual show by what right he or she exercises authority which can only be exercised through a grant from the state or why he or she should not be removed from a state office.

1द्ध	क्वैंटस मैर्यूट	:	यह शब्द लातीनी भाषा से आया है जिसका अर्थ है, ”उतना जितने का वह हकदार है“ और यह किसी समझौते में कानून द्वारा निहित उत्तरादायित्व का वर्णन करता है।
2द्ध	क्वैश	:	पलटना, खण्डन करना, रद्द करना या अवैध घोषित करना।
3द्ध	क्वासी जुडीशियल	:	न्यायिक प्रकृति वाले कार्यों के पद पर आसीन किसी अधिकारी में निहित अधिकार अथवा स्वेच्छा का अधिकार।
4द्ध	क्विड प्रो क्यो	:	किसी चीज के बदले कोई चीज़, किसी मूल्यवान वस्तु के बदले कोई अन्य मूल्यवान वस्तु देना।
5द्ध	क्वो वारंटो	:	राज्य द्वारा जारी किए जाने योग्य वह आदेश जिसके द्वारा किसी व्यक्ति से यह पूछा जाता है कि वह सत्ता का प्रयोग किस अधिकार से करता/करती है जिसका प्रयोग केवल राज्य की अनुमति से ही किया जा सकता है और उसे राज्य के कार्यालय से क्यों न निकाल दिया जाए।